ब्रेन इंटरनेशनल स्कूल

विषय – हिन्दी कक्षा – दस ASSIGNMENT अक्तूबर (2018–19)

प्रश्न 1 निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें ।

जो वीत गई सो वात गई !
जीवन में एक सितारा था, माना, वेहद प्यारा था,
वह डूव गया तो डूव गया ।
अंवर के आनन को देखो, कितने इसके तारे टूटे ,
कितने इसके प्यारे छूटे, जो छूट गए फिर कहाँ मिले
पर बोलो, टूटे तारों पर कव अंवर शोक मनाता है । जो बीत गई सो बात गई ।
जीवन में वह था एक कुसुम, थे उस पर नित्य-निछावर तुम
वह सूख गया तो सूख गया, मधुवन (बगीचा) की छाती को देखो
सूखी इसकी कितनी कलियाँ, मुरझाई कितनी वल्लरियाँ
जो मुरझाई फिर कहाँ खिली , पर बोलो सूखे फूलों पर
कव मधुवन शोर मचाता है ! जो बीत गई सो बात गई ।

क) कलियों के साथ क्या हुआ ?
ख) अंवर का उदाहरण क्यों दिया गया है ?
ग) मधुवन कब शोर मचाता है ?
घ) इस कविता द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहता है ?
ङ) 'शोक' शब्द का क्या अर्थ है तथा काव्यांश का उचित शीर्षक भी लिखें।

प्रश्न 2 निम्न प्रश्नों के उत्तर दें।

(क) सोलेमन सभी जीवों का हाकिम था। कैसे?
(ख) पाठ 'अव कहाँ दूसरों के दु:ख से दु:खी होने वाले' का शीर्षक सार्थक है। स्पष्ट करें।
(ग) नूह कौन थे तथा उनके रोने का क्या कारण था?
(घ) धरती किसी एक की क्यों नहीं है?
(ङ) शेख अयाज़ किस भाषा के कवि थे?
(च) घर के सदस्यों के व्यवहार की वच्चे के मानसिक विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।कैसे? पाठ 'टोपी शुक्ला' के आधार पर स्पष्ट करें।
(छ) टोपी शुक्ला और इफ्फन गहरे दोस्त कैसे थे?

प्रश्न 3 हमारा गौरवशाली अतीत और आधुनिकता का आवरण ओढ़े वर्तमान के बीच हुई बातचीत को लगभग 40–50 शब्दों में संवाद के रूप में लिखें।